(ख) निर्धनता को कम करने, भूमि उपयोग और जल संसाधन प्रबन्ध पर विशेष बल देते हुए ग्रामीण समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए कार्य-योजना के भाग के रूप में शुरू की जा रही विविध परियोजनाओं का ब्यौरा निम्न प्रकार है :

- आपदा प्रबन्ध और संचार के लिए इन्सैट सेवाएं
- राष्ट्रीय कृषि सूखा आंकलन
- सूखे के मुकाबले के लिए समाकलित उपागम
- बाढ़प्रवण क्षेत्र का मानचित्रण तथा क्षति का आकलन
- रेगिस्तानी टिड्डी प्रवास का मानीटरन
- कृषि-जलवायवी क्षेत्रों के लिए भूमि उपयोग/आवरण मानचित्रण
- फ़सल का एकड़वार और पैदावार आंकलन
- राष्ट्रव्यापी मृदा लवणता/क्षारीयता मानचित्रण
- परतीभूमि मानचित्रण
- राष्ट्रीय वन आवरण मानचित्रण
- राष्ट्रव्यापी चरागाह भूमि मानचित्रण
- उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान का मानीटरन
- खनन का पर्यावरणीय प्रभाव
- भूमिगत कोयला अग्नि का मानीटरन और संसूचन
- शहरी विस्तार मानचित्रण
- वन्य-जीवन वास आकलन
- माइक्रोवेव आंकड़ों का उपयोग करते हुए मृदा आर्द्रता आकलन
- शहतूत की फ़सल की तालिका
- अन्तर्देशीय मत्स्यपालन के लिए तटीय नम भूमि का मानचित्रण
- समुद्री मत्स्यपालन के संभावित क्षेत्रों का निर्धारण
- भूमिजल संभाव्यता क्षेत्र का मानचित्रण
- जलाशयों के सतही जल का मानीटरन
- ब्रह्मपुत्र नदी घाटी में जल-विभाजकों का प्राथमिकीकरण
- कमाण्ड क्षेत्रों में जल प्रबन्ध
- बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं (नर्मदा, टिहरी और शान्त घाटी) के पर्यावरणीय प्रभाव
- लघु/माइक्रो जलविद्युत के लिए स्थल निर्धारण
- हिम-गलन प्रवाह तथा जलाशयों में जल प्रवाह
- सुदूर संवेदन प्रशिक्षण और शिक्षा
- राज्य सुदूर संवेदन केन्द्रों की स्थापना (चालू परियोजना)
- अंकीय भूभाग माडलिंग
- जिला/ग्राम स्तर पर राष्ट्रीय संसाधन सूचना प्रणाली (एन०आर०आई० एस०) विकास

(ग) उपर्युक्त इन सभी उपयोग परियोजनाओं का उद्देश्य चरणबद्ध रूप में सम्पूर्ण देश को आवृत्त करना है।

देश में परमाणु प्रतिष्ठानों में विकिरण के प्रभाव से असामान्य वृद्धि

1770. **श्री राम नरेश यादव :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 11 मार्च, 1990 के "इंडियन एक्सप्रेस" में "रेडिएशन एक्सपोजर टू हाई: ए०ई०आर० बी०" शीर्षक के अन्तर्गत छपे इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि देश में लगभग सभी परमाणु प्रतिष्ठानों में विकिरण के कुल प्रभाव में असामान्य वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (प्रो० एम०जी०के० मेनन) : (क) जी, हाँ ।

(ख) परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड ने न्यूक्लियर संस्थानों में विकिरण संबंधी काम करने वाले कर्मचारियों के शरीर में जाने वाली विकिरण की मात्रा के आंकड़ों की समीक्षा की है । भारत में परमाणु विद्युत संयंत्रों के कर्मचारियों को प्रभावित करने वाली विकिरण की मात्रा (मैन-रैम) का योग इस कारण से अधिक है कि बिजलीघरों में रख-रखाव के काम पर अधिक संख्या में कर्मचारी लगाए जाते हैं । तथापि, यह पाया गया है कि यदि संयंत्र के प्रत्येक कार्मिक पर पड़ने वाली विकिरण की मात्रा की संख्या को अलग से लिया जाए तो वह मात्रा आमतौर पर निर्धारित सीमा के भीतर ही रहती है । परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड का विचार यह है कि विकिरण की कुल मिलाकर मात्रा जोकि प्रत्येक कर्मचारी को प्रभावित करने वाली विकिरण की औसत मात्रा को कर्मचारियों की कुल संख्या से गुणा करने पर प्राप्त होती है, को और भी कम किया जा सकता है ।

(ग) न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन द्वारा व्यवसाय से पहले वाले विकिरण के सामूहिक प्रभाव को कम करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :—

1. कार्मिकों को कई तरह के कामों का प्रशिक्षण देना ताकि विकिरण संबंधी कार्यों पर लगाए जाने वाले कर्मचारियों की संख्या को कम से कम किया जा सके,

2. अनुरक्षण संबंधी कार्यों के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों और औजारों को नया रूप देना ताकि वे कार्य तेजी से और दूर से नियंत्रित किये जा सके,

3. दीर्घकालीन उपाय के रूप में, प्रारम्भिक शीतलक प्रणाली को विसदूषित करना, और

4. इस बात को सख्ती से लागू करना कि इस व्यवसाय में लगे कार्मिक प्लास्टिक सूटों जैसे कपड़े पहनें जो कि विकिरण से बचाव करते हैं ।

Report on the delineation of new Hill areas

1771. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the expert group set up by Government regarding delineation of *new Hill areas has submitted its report* to the Planning Commission; and

(b) if so, what action has been taken by Government in this regard?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The report has been processed and final decisions are awaited.

Measures to achieve cent-percent literacy

1772. DR. NARREDDY THULASI REDDY:

PROF. C. LAKSHMANNA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Ernakulam district in Kerala has achieved hundred per cent literacy;

(b) if so, what measures were taken to achieve this; and

(c) whether Government are contemplating to implement the same measures in the remaining 438 districts in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT